अनुसरण में इस सभा के सदस्य ऐसी रीति से जैसा अध्यक्ष निर्देश दें, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की शासी निकाय के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से दो सदस्य निर्वाचित करे। "

MR. SPEAKER: The question is:

"That in pursuance of Rules 20(16) and (17) and 24(2) of the Rules, Regulations and Bye-laws of the Indian Council of Medical Research, the members of this House do proceed to elect in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Governing Body of the Indian Council of Medical Research."

The motion was adopted.

14.51 hrs.

MULTI-STATE CO-OPERATIVE SOCIETIES BILL*

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to consolidate and amend the law relating to co-operative societies with objects not confined to one State and serving the interests of members in more than one State.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to consolidate and amend the law relating to co-operative societies with objects not confined to one State and serving the interests of members in more than one State."

The motion was adopted.

SHRI MOHAN DHARIA: I introduce† the Bill.

14.52 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(1) ACUTE SHORTAGE OF POWER IN BIHAR

श्री युवराज (कटिहार) : अध्यक्ष महोदय, आज सारे बिहार में बिजली की आपूर्ति की कमी के कारण करोड़ों रुपये रोज की क्षति हो रही है। छोटे बड़े कारखानों के बन्द हो जाने से, पूरे वक्त तक कारखानों चालू नहीं रहने की वजह से एवं खेती के काम के लिए जो नलकूप लगे थे वह बिजली की आपूर्ति की कमी की वजह से बन्द हो जाने के कारण करोड़ों रुपए की रोज क्षति बिहार राज्य को हो रही है। बिहार में दो प्रमुख थर्मल पावर स्टेशन हैं—एक बरौनी और दूसरा पतरातू। बरौनी के थर्मल पावर स्टेशन की पांच यूनिट्स में से 15 मेगावाट की तीन यूनिटें बन्द हैं इसलिए कि जो कोयले की क्वालिटी है वह खराब है। जो 50 मेगावाट की एक यूनिट है उसकी टरबाइन की प्लेट टूट गई है और वह भी बहुत दिनों से बन्द है।

14.52½ hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

पतरातू की सात में से पांच यूनिट्स नवम्बर माह में बन्द थीं। 50 मेगावाट की जो यूनिट है वह पांच वर्षों से बन्द है जिसके टरबाइन रोटर, जेनरेटर सेन्टर खराब हो गए हैं। एक संयंत्र जिसकी उत्पादन क्षमता सौ मेगावाट है उसका ट्रांसफार्मर जल जाने की वजह से वह भी बन्द है। पांच सौ मेगावाट उत्पादन क्षमता वाले पतरातू बिजलीघर में सिर्फ सौ मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। बिहार को पांच सौ मेगावाट बिजली की आवश्यकता है। आगामी पांच वर्षों में 1200 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी और 1990 तक 2200 मेगावाट बिजली की

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 8-12-77.

†Introduced with the recommendation of the President.

[श्री युवराज]

आवश्यकता होगी। आपको जान कर आश्चर्य होगा कि बिहार की सरकार ने तीन-तीन प्रोजेक्ट रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार के पास भेजी हैं। तेनूघाट थर्मल पावर स्टेशन जिसको केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने और प्लानिंग कमीशन ने सिद्धान्ततः मान भी लिया है लेकिन उस पर भी स्वीकृति नहीं दी गई है।

मुजफरपुर में एक थर्मल पावर स्टेशन के लिये बिहार सरकार की ओर से सिफारिश की गई थी। उसकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट भी 1971 से केन्द्रीय विद्युत प्राधिकार के समक्ष पड़ी हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको यह जान कर ताज्जुब होगा कि कहल गांव की योजना, जिसकी घोषणा पिछले सत्र में हमारे एनर्जी मिनिस्टर ने की थी और जिसे बिहार सरकार ने समर्पित किया था, वह भी आज खटाई में पड़ी हुई है।

इन तमाम बातों की तरफ मैं इस माननीय सदन का ध्यान इसलिये आकर्षित करना चाहता हूं कि जिस उत्तर बिहार की अर्थव्यवस्था का मेरुदण्ड कृषि है, जिस दक्षिणी बिहार में छोटे और बड़े उद्योग हैं—वहां बिजली की कमी के कारण सारे उद्योग और खेती बर्बाद होने लगी है। हमारी ये तमाम योजनायें, जिनको बिहार की सरकार ने समर्पित किया है, केन्द्र की शिथिलता के कारण या यों कहा जाये कि प्लांनिग कमीशन के अफसरों के काम करने के तरीके के कारण उनकी जो अव्यवहारिक प्रक्रिया है उसके कारण, जो बिहार इस देश में सबसे ज्यादा रायल्टी देता है, उसकी सारी कृषि और सारे उद्योग ठप्प पड़ गये हैं।

इन शब्दों के हाथ इस समस्या पर मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

14.56 hrs.

(ii) RESENTMENT DUE TO NON RESUMPTION OF BHAGALPUR-BIHPUR RAIL AND STEAMER SERVICE

डा० रामजी सिंह (भागलपुर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक विशेष परिस्थिति की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। अभी-अभी हम लोगों ने कानपुर में 11 व्यक्तियों की मृत्यु के विषय में सुना था, मैं ऐसा तो नहीं कह सकता कि मैं जिस बात का उल्लेख कर रहा हूं कि वहां ऐसी कोई दुर्भाग्यपूर्ण या दुखांत घटना होगी, लेकिन भागलपुर जिले में बीहपुर से लेकर भागलपुर तक जो रेल गाड़ी पिछले 85 वर्षों से चल रही थी, न जाने किस कारण से उसको इस साल बन्द कर दिया गया। पिछले 8 महीनों से मैं इस सदन में और इस सदन के बाहर पत्रों के द्वारा भी सरकार का ध्यान आकृष्ट करता आ रहा हूं, लेकिन वह गाड़ी अभी तक नहीं लौटाई गई है। फलस्वरूप उस क्षेत्र में जन-विक्षोभ और जन-आक्रोश बहुत बढ़ रहा है।

10 नवम्बर को वहां लगभग बीस हजार जनता इकट्ठी हुई थी, लोगों ने मांग की कि 85 वर्षों से जो रेलवे लाइन और स्टीमर चले आ रहे थे, उन को बन्द न किया जाय। दुर्भाग्य की बात तो यह है कि रेल मंत्री और रेलवे के महाप्रबन्धक ने भी यह आश्वासन दिया था—अपने पत्र में, कि वह गाड़ी शीघ्र चालू हो जायगी, लेकिन नौकरशाही न जाने किस कुत्सित षड़यंत्र में पड़ कर अभी तक उस गाड़ी को चालू करवाने में अपनी पहल नहीं करवा रही है। पिछले 4 दिसम्बर के दिन वहां के लोगों ने मिल कर ट्रेन का चक्का जाम करने की योजना बनाई थी, जिससे किसी भी समय हिंसा भड़क सकती थी। वहां के प्रतिनिधि यहीं आये थे, मैंने उन्हें रेल मंत्री जी से मिलाया था, प्रधान मंत्री जी